लोकमत समाचार

उद्योगों के लिए अपशिष्ट जल का ट्रीटमेंट बड़ी चुनौती

नीरी में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस का आयोजन

नागपुर : वडोदरा एनवायरो चैनल लिमिटेड के पूर्व प्रबंध निदेशक सतीश पांचाल ने कहा कि अपशिष्ट जल, समाज के साथ ही उद्योगों के लिए बड़ी चुनौती बन कर सामने आया है. इसलिए जल स्रोतों की रक्षा के लिए अलग ढंग से सोचने की जरुरत है. पर्यावरण संरक्षण के ध्येय के साथ औद्योगिक क्षेत्र को सक्षम बनाने के लिए प्रयास करने होंगे. वे राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (नीरी) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर बोल रहे थे. कार्यक्रम के दौरान नीरी के निदेशक अतुल वैद्य विशेष रुप से उपस्थित थे.

उनके अनुसार भावी पीढ़ियां अपशिष्ट जल उपचार और पुनर्चक्रण की महत्वपूर्ण भूमिकाओं पर जोर दे रही हैं. वे स्वचालन, डिजिटलीकरण और इंटरनेट ऑफ थिंग्स को अपनाते हुए जल शुद्धिकरण की प्रणाली को एडवांस बनाने का प्रयास कर रहे हैं. उन्होंने उम्मीद जताई कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग भी इसमें प्रमुख भूमिका निभाएंगे.

कार्यक्रम में संबोधित करते हुए सतीश पांचाल.

डॉ. वैद्य ने स्वागत भाषण में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला. उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय प्रौद्योगिकी के विकास में नीरी के पूर्व निदेशक पी. खन्ना का योगदान अहम रहा है.

नीरी की वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक डॉ.कविता गांधी ने कार्यक्रम का संचालन किया. आभार वरिष्ठ प्रधान वैज्ञानिक प्रकाश कुंभारे ने माना. बाद में पांचाल ने नीरी में बनाई गई डिसेंट्रलाइज्ड सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का मुआयना किया. जेडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड मैनेजमेंट के बीई (सिविल इंजीनियरिंग) के 50 और आदर्श इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के बी.फार्मा के 30 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया. विभिन्न प्रयोगशालाओं का मुआयना करने के साथ ही नीरी के वैज्ञानिकों से चर्चा की.